भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
मौसम केंद्र
शिमला

Government of India
Ministry of Earth Sciences
Meteorological Centre
Shimla

हिमाचल प्रदेश के लिए कृषि मौसम सलाह बुलेटिन

बुलेटिन क्रमांक स- 18/2025 जारी करने की तिथि:07.03.2025

दिनांक: 07.03.2025 से 11.03.2025 तक के लिए मान्य

पिछले 24 घंटो का मौसम सारांश (0830 बजे तक)

- पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा।
- मैदानी/निचले पहाड़ी इलाकों (ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, दक्षिणी मंडी, दक्षिणी चंबा, दक्षिणी सोलन और दक्षिणी सिरमौर) के कई हिस्सों में पिछले 24 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं हुआ, कई हिस्सों में यह सामान्य से 2-3 डिग्री सेल्सियस नीचे और 5-10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।
- मध्य पहाड़ी इलाकों (शिमला, उत्तरी मंडी, उत्तरी कांगड़ा, मध्य चंबा, उत्तरी सोलन, उत्तरी सिरमौर, दक्षिणी कुल्लू) के कई हिस्सों पिछले 24 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं हुआ, कई हिस्सों में यह सामान्य से 2-5 डिग्री सेल्सियस नीचे और 4-10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।
- ऊंचे पहाड़ी इलाकों (लाहौल-स्पीति, किन्नौर, उत्तरी चंबा, उत्तरी कुल्लू) पिछले 24 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं हुआ, कई हिस्सों में यह सामान्य से 2-3 डिग्री सेल्सियस नीचे और --1 से -9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।
- मैदानी/निचले पहाड़ी इलाकों (ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, दक्षिणी मंडी, दक्षिणी कांगड़ा, दक्षिणी चंबा, दक्षिणी सोलन और दक्षिणी सिरमौर) के कई हिस्सों में पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ; कई हिस्सों में तापमान सामान्य या सामान्य के करीब रहा और 24-27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।
- मध्य पहाड़ी इलाकों (शिमला, उत्तरी मंडी, उत्तरी कांगड़ा, मध्य चंबा, उत्तरी सोलन, उत्तरी सिरमौर, दक्षिणी कुल्लू) के कई हिस्सों में पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई; के कई हिस्सों में तापमान सामान्य या सामान्य के करीब रहा और 17-23 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।
- ऊंचे पहाड़ी इलाकों (लाहौल-स्पीति, किन्नौर, उत्तरी चंबा, उत्तरी कुल्लू) के कई हिस्सों में पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में 2-8 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई; कई हिस्सों में तापमान सामान्य से 4-5 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा और 6-14 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

आज सबसे कम न्यूनतम तापमान **कुकुमसेरी में -8.5** डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कल का सबसे अधिक अधिकतम तापमान **बिलासपुर में 27.1** डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

आगामी 72 घंटो के लिए राज्य वर्षण पूर्वानुमान(अगले दिन के भा.मा.स. के अनुसार 08:30 बजे तक मान्य)

दिनांक	07 मार्च	08 मार्च	09 मार्च
मैदानी/निचले पर्वतीय क्षेत्र	शुष्क	शुष्क	शुष्क
मध्य पर्वतीय क्षेत्र	शुष्क	शुष्क	शुष्क
उच्च पर्वतीय क्षेत्र	शुष्क	शुष्क	एक से दो स्थानों पर हल्की बर्फबारी

चेतावनी कुछ नहीं

अगले दो दिनों के लिए मौसम का दृष्टिकोण (10.03.2025 के 0830 से 11.03.2025 के 0830 तक)

10 मार्च और 11 मार्च को मध्य पर्वतीय क्षेत्र में एक से दो स्थानों पर हल्की बारिश/बर्फबारी और उच्च पर्वतीय क्षेत्र में कुछ स्थानों पर हल्की बर्फबारी की सम्भावना हैं।

चेतावनी कुछ नहीं

आगामी पांच दिनों के लिए वर्षा का पूर्वानुमान 07.03.2025 से 11.03.2025 0830 तक)

कृषि और बागवानी संबंधी सलाह

लाहौल-स्पीति			
मुख्य फसलें	**अवस्था**	**कीट / रोग**	**कृषि परामर्श**
फ़सल	निष्क्रिय (सर्दियों की अवधि के दौरान कोई फसल नहीं उगाई जाती है)	-	-
सेब	-		• बर्फ गिरने के बाद सेब के पेड़ों की छंटाई ना करें मौसम गर्म होने का इंतज़ार करें। • भारी हिमपात के कारण पौधों में चोट आने के बाद जीवाणु रोगों की निगरानी करें।
पशु	-	-	• जानवरों को ठंड से बचाने के लिए कृत्रिम प्रकाश और हीटिंग की व्यवस्था करनी चाहिए। • जानवरों को ठंडे तापमान के दौरान पीने के लिए गुनगुना चारा और पानी दिया जाना चाहिए। • दुधारू पशुओं के शरीर के तापमान को बनाए रखने के लिए उन्हें तेल की खली और गुड़ का मिश्रण खिलाना चाहिए। • जानवरो को जब भी मौसम साफ हो तो उन्हें धूप अवश्य दिखाएँ। • जानवरों को ठंड से बचाने के लिए उन्हें बंद और साफ गौशालाओं में रखा जाना चाहिए। • पशुओं के चारे में हरे चारे की मात्रा सीमित मात्रा में रखनी चाहिए , क्योंकि इससे पशुओं में दस्त और एसिडोसिस होने की संभावना बढ़ जाती है।

			• कीट विकर्षक पौधे को गौशाला में लटका दिया जाना चाहिए, जिस की गंध से बाहरीपरजीवी दूर रहे।

किन्नौर			
मुख्य फसलें	**अवस्था**	**कीट / रोग**	**कृषि परामर्श**
फ़सल	निष्क्रिय (सर्दियों की अवधि के दौरान कोई फसल नहीं उगाई जाती है)	-	-
सेब	-		• बर्फ गिरने के बाद सेब के पेड़ों की छंटाई ना करें मौसम गर्म होने का इंतज़ार करें। • भारी हिमपात के कारण पौधों में चोट आने के बाद जीवाणु रोगों की निगरानी करें।
पशु	-	-	• जानवरों को ठंड से बचाने के लिए कृत्रिम प्रकाश और हीटिंग की व्यवस्था करनी चाहिए। • जानवरों को ठंडे तापमान के दौरान पीने के लिए गुनगुना चारा और पानी दिया जाना चाहिए। • दुधारू पशुओं के शरीर के तापमान को बनाए रखने के लिए उन्हें तेल की खली और गुड़ का मिश्रण खिलाना चाहिए। • जानवरो को जब भी मौसम साफ हो तो उन्हें धूप अवश्य दिखाएँ। • जानवरों को ठंड से बचाने के लिए उन्हें बंद और साफ गौशालाओं में रखा जाना चाहिए। • पशुओं के चारे में हरे चारे की मात्रा सीमित मात्रा में रखनी चाहिए , क्योंकि इससे पशुओं में दस्त और एसिडोसिस होने की संभावना बढ़ जाती है। • कीट विकर्षक पौधे को गौशाला में लटका दिया जाना चाहिए, जिस की गंध से बाहरीपरजीवी दूर रहे।

काँगड़ा

सामान्य सलाह:

• भारी वर्षा के दौरान सिंचाई से बचें।

• स्थानीय भाषा में कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए मेघदूत ऐप का उपयोग करें। फसल आधारित कृषि सलाह का नियमित रूप से पालन करें।		
एसएमएस सलाह: • पीले रतुआ की निगरानी करें। यदि लक्षण दिखाई दें, तो टिल्ट (प्रोपिकोनाज़ोल) 25EC @30ml/30L पानी प्रति कनाल का छिड़काव करें, 15 दिनों के बाद दोहराएं।		
मुख्य फसलें	**अवस्था**	**कृषि सलाह**
गेहूँ	देखभाल/रखरखाव	• खेत की सफाई बनाए रखें। • जिन क्षेत्रों में गेहूं की फसल में पीले रतुआ के लक्षण पत्तियों पर पीले पाउडर/धारियों के रूप में दिखाई देते हैं या अतिसंवेदनशील किस्में हैं, वहां किसानों को सलाह दी जाती है कि वे लक्षण दिखाई देने पर फफूंदनाशकों का छिड़काव करें। ये हैं टिल्ट (प्रोपिकोनाज़ोल) 25 ईसी/फोलिक्योर (टेबुकोनाज़ोल) 25 ईसी/बेलेटन 25 डब्ल्यूपी @ 0.1% यानी 30 मिली या 30 ग्राम प्रति 30 लीटर पानी प्रति कनाल और 15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराएं।
सरसों	देखभाल/रखरखाव	• सरसों की फसल पर पेंटेड बग और एफिड के हमले की निगरानी करने की सलाह दी जाती है। यदि कीटों की संख्या ETL से अधिक है तो अनुशंसित रसायनों का छिड़काव किया जा सकता है। • सरसों की फसल पर सफेद रतुआ के हमले की निगरानी करें।
दालें	पौध संरक्षण	• चने की फसल में फली छेदक के लिए, यदि फूल 10-15% तक पहुँच चुके हैं, तो प्रति एकड़ 3-4 ट्रैप फेरोमोन ट्रैप लगाने की सलाह दी जाती है। कीटों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए फसल के खेत में और उसके आस-पास "T" आकार के पक्षी बसेरा लगाए जाने चाहिए।
प्याज लहसुन	पौध संरक्षण	• प्याज की फसल में थ्रिप्स के हमले से बचाव के लिए। यदि मौसम अनुकूल हो तो सभी फसलों और सब्जियों में सफेद मक्खियों और अन्य चूसने वाले कीटों के खिलाफ इमिडाक्लोप्रिड 17.8% एससी @ 1.0 मिली / 3 लीटर पानी का छिड़काव करें, जब आसमान साफ हो। • प्याज और लहसुन की फसल में बैंगनी धब्बा स्टेमफिलियम लीफ ब्लाइट के प्रबंधन के लिए, मैनोकोजेब या रिडोमिल 2.5 ग्राम / लीटर पानी का छिड़काव करें।
मूली और शलजम	पौध संरक्षण	• मटर में पाउडरी फफूंद के नियंत्रण के लिए सेल्फेक्स @25 ग्राम प्रति 10 लीटर पानी या कैराथेन @5 मिली प्रति 10 लीटर पानी का छिड़काव करें। • मूली, शलजम, गाजर पालक की उन्नत प्रजातियों जैसी सब्जियों को खरपतवार मुक्त रखें।
कोल फसलें (फूलगोभी, पत्तागोभी), मूली, शलजम और मटर	पौध संरक्षण	• फूलगोभी के खेतों को खरपतवार मुक्त रखें। ब्रोकोली, पछेती फूलगोभी और पत्तागोभी को खरपतवार मुक्त रखें। • क्रूसिफेरस सब्जियों में डाउनी फफूंद की आशंका है, नियंत्रण के लिए आसमान साफ रहने पर 15 दिनों के अंतराल पर रिडोमिल एम-

		जेड @ 25 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। • कोल फसल में पत्ती फीडर के लिए स्पाइनोसैड @ 1 मिली / 3 लीटर पानी का छिड़काव करें जब आसमान साफ रहे।
आलू	वनस्पति एवं फलन	• किसानों को सलाह दी जाती है कि यदि आलू की फसल 15-22 सेमी की ऊंचाई पर पहुंच गई है, तो मिट्टी चढ़ाना शुरू कर दें। यदि आवश्यक हो, तो अनुकूल मौसम की स्थिति के दौरान 15 दिनों के बाद इस अभ्यास को दोहराया जा सकता है। • आलू में ब्लाइट के संक्रमण की घटनाओं की निरंतर निगरानी की सलाह दी जाती है। यदि लक्षण दिखाई देते हैं, तो कार्बेन्डाजिम @ 1.0 ग्राम / लीटर पानी या डाइथेन-एम-45 @ 2.0 ग्राम / लीटर पानी का छिड़काव करने की सलाह दी जाती है।
पालीहोउस खेती		• पॉलीहाउस में फसल में पाउडरी मिल्ड्यू, एफिड्स और स्पोडोप्टेरा के नियंत्रण के लिए अनुशंसित रसायनों का छिड़काव करें। पॉलीहाउस में पीला चिपचिपा जाल रखें और रोपाई के बाद इमिडाक्लोप्रिड से पौधे को भिगो दें। • पॉलीहाउस में मिर्च, टमाटर और बैंगन की फसलों के लिए नर्सरी तैयार करें। पॉलीहाउस में छोटे पॉलीथिन बैग में अगेती कद्दूवर्गीय फसलों की पौध तैयार करें। • अगले महीने हरा धनिया, मूली और शलजम की बुवाई की तैयारी करें। अगेती कद्दूवर्गीय फसलों की पौध तैयार करने के लिए पॉलीहाउस में छोटे पॉलीथिन बैग में पौध तैयार करें।
मशरूम	बुवाई	• अच्छी फसल के लिए सफेद बटन मशरूम के लिए कम्पोस्ट बैग में स्पॉन भरने की सलाह दी जाती है, कमरे का तापमान 17-18 डिग्री सेल्सियस और सापेक्ष आर्द्रता 80-85% होनी चाहिए। नमी बनाए रखने के लिए पानी का छिड़काव करें, लेकिन मशरूम पर पानी जमा होने से रोकने के लिए पंखों द्वारा हवा का संचार सुनिश्चित करें। फल लगने के समय कमरे का तापमान 18-22 डिग्री सेल्सियस बनाए रखें।
फलउत्पादन		• आम के तने के चारों ओर प्लास्टिक की चादरें लपेटी जानी चाहिए ताकि युवा मीली बग को चढ़ने से रोका जा सके। पॉलीथीन शीट में किसी भी दरार को सील करने के लिए ग्रीस लगाएं। • पौधों के बेसिन को खरपतवारों से मुक्त रखें • ठंड आदि से बचाने के लिए नई लगाई गई बागवानी फसलों की छप्पर बिछाएं • पौधों के पोषक तत्व प्रबंधन जैसे नाइट्रोजन उर्वरकों और अन्य पोषक तत्वों का छिड़काव फलों के पौधों को पाले से होने वाले नुकसान से बचा सकता है।
पुष्प	फूल आने की अवस्था	• भण्डारण में बल्ब, कंद आदि का निरीक्षण करें और यदि कोई रोगग्रस्त या सड़ा हुआ हो तो उसे हटा दें। • घर के पौधों से सभी मृत, रोगग्रस्त और क्षतिग्रस्त पत्तियों को हटा दें।
मधुमक्खीपालन		• तापमान गिर गया है और आगे भी गिरने की उम्मीद है, इसलिए कॉलोनियों को तुरंत विंटर पैकिंग दें। कॉलोनियों में पराग की जांच करें और मधुमक्खियों को कृत्रिम भोजन दें क्योंकि इन दिनों फूलों की कमी

		होती है।
चाय	छंटाई का प्रशिक्षण	• चाय के बागानों में प्रशिक्षण, झालर निकालना और सफाई का काम पूरा किया जा सकता है। चाय के बागानों में पेड़ों की कटाई करें ताकि उन्हें ज़्यादा धूप मिले। झालर से निकली सामग्री का इस्तेमाल खाद बनाने में किया जा सकता है ताकि इसे अगले मौसम में इस्तेमाल किया जा सके।
पशुपालन मवेशी भेड़बकरी इत्यादी	देखभाल	• नवजात बछड़ों को कड़ाके की सर्दी से बचने के लिए विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है, क्योंकि वे निमोनिया के प्रति संवेदनशील होते हैं। इसलिए उन्हें सूखा बिस्तर और ठंडी हवाओं से सुरक्षा प्रदान करके गर्म रखें। उन्हें विटामिन दें। पशुओं को सूखा चारा खिलाते समय, प्रत्येक दूध देने वाली गाय या भैंस को 40 ग्राम खनिज मिश्रण (आईएसआई मार्क) दें। • गर्भवती और दूध देने वाली गायों और भैंसों को खनिज मिश्रण सहित संतुलित चारा खिलाएं। दुधारू पशुओं के लिए 2 लीटर दूध में 1 किलो चारा+50 ग्राम खनिज मिश्रण का शेड्यूल अपनाएं। यह शेड्यूल पशु की प्रजनन क्षमता को बनाए रखेगा। डेयरी पशुओं में खनिज तत्वों की कमी होती है, जो पशुओं में बार-बार प्रजनन और अन्य स्त्री रोग संबंधी बीमारियों का एकमात्र कारण है। इसलिए पशुओं को प्रतिदिन 50 ग्राम खनिज मिश्रण देना सुनिश्चित करें। • पशुओं में टिक्स और माइट्स के नियंत्रण के लिए पशुओं के शरीर/त्वचा पर 2 मिली प्रति लीटर ब्यूटॉक्स और गौशालाओं में 1-3 मिली/लीटर पानी का छिड़काव करें। साथ ही गौशाला को साफ रखें और गौशाला में पानी जमा न होने दें। स्तनदाह से बचने के लिए उन्नत गर्भावस्था वाली गायों में स्वच्छता सुनिश्चित करें। • इस ठंड के मौसम में, दूध दुहने के बाद मक्खन या क्रीम + जिंक ऑक्साइड लगाएँ।
मुर्गीपालन	देखभाल	• आगामी सप्ताह में कम तापमान को देखते हुए, पोल्ट्री में उन्हें ठंडी हवाओं से बचाने के लिए पर्दे लगाएं ताकि शेड का तापमान *160* डिग्री सेल्सियस से नीचे न जाए। चूजों को कृत्रिम गर्मी प्रदान करें। शेड में *15-16* घंटे रोशनी प्रदान करें। राशन की ऊर्जा सामग्री को *5-8* प्रतिशत तक बढ़ाएँ। • पोल्ट्री घरों में ताजा कूड़े का इस्तेमाल करें ताकि वे गीले न हों और घरों को साफ रखें तथा पक्षियों को पीने के लिए साफ पानी उपलब्ध करवाएँ। पक्षियों को ठंड से बचाएं तथा भोजन में *10%* की वृद्धि करें। • डायरिया और कोक्सीडियोसिस का हमला होने की आशंका है, इसलिए नजदीकी पशु चिकित्सक से परामर्श लें।
मछलीपालन	पालन-पोषण	• मछलियों का विपणन जारी रखें। बचे हुए स्टॉक को खिलाने की मात्रा को घटाकर 100 मछलियों के लिए प्रतिदिन 500 ग्राम तक सीमित रखें।

उना
सामान्य सलाह:

• भारी वर्षा के दौरान सिंचाई से बचें। • स्थानीय भाषा में कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए मेघदूत ऐप का उपयोग करें। फसल आधारित कृषि सलाह का नियमित रूप से पालन करें।		
एसएमएस सलाह: • पीले रतुआ की निगरानी करें। यदि लक्षण दिखाई दें, तो टिल्ट (प्रोपिकोनाज़ोल) 25EC @30ml/30L पानी प्रति कनाल का छिड़काव करें, 15 दिनों के बाद दोहराएं।		
मुख्य फसलें	**अवस्था**	**कृषि सलाह**
गेहूँ	देखभाल/रखरखाव	• खेत की सफाई बनाए रखें। • जिन क्षेत्रों में गेहूं की फसल में पीले रतुआ के लक्षण पत्तियों पर पीले पाउडर/धारियों के रूप में दिखाई देते हैं या अतिसंवेदनशील किस्में हैं, वहां किसानों को सलाह दी जाती है कि वे लक्षण दिखाई देने पर फफूंदनाशकों का छिड़काव करें। ये हैं टिल्ट (प्रोपिकोनाज़ोल) 25 ईसी/फोलिक्योर (टेबुकोनाज़ोल) 25 ईसी/बेलेटन 25 डब्ल्यूपी @ 0.1% यानी 30 मिली या 30 ग्राम प्रति 30 लीटर पानी प्रति कनाल और 15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराएं।
सरसों	देखभाल/रखरखाव	• सरसों की फसल पर पेंटेड बग और एफिड के हमले की निगरानी करने की सलाह दी जाती है। यदि कीटों की संख्या ETL से अधिक है तो अनुशंसित रसायनों का छिड़काव किया जा सकता है। • सरसों की फसल पर सफेद रतुआ के हमले की निगरानी करें।
दालें	पौध संरक्षण	• चने की फसल में फली छेदक के लिए, यदि फूल 10-15% तक पहुँच चुके हैं, तो प्रति एकड़ 3-4 ट्रैप फेरोमोन ट्रैप लगाने की सलाह दी जाती है। कीटों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए फसल के खेत में और उसके आस-पास "T" आकार के पक्षी बसेरा लगाए जाने चाहिए।
प्याज लहसुन	पौध संरक्षण	• प्याज की फसल में थ्रिप्स के हमले से बचाव के लिए। यदि मौसम अनुकूल हो तो सभी फसलों और सब्जियों में सफेद मक्खियों और अन्य चूसने वाले कीटों के खिलाफ इमिडाक्लोप्रिड 17.8% एससी @ 1.0 मिली / 3 लीटर पानी का छिड़काव करें, जब आसमान साफ हो। • प्याज और लहसुन की फसल में बैंगनी धब्बा स्टेमफिलियम लीफ ब्लाइट के प्रबंधन के लिए, मैनोकोजेब या रिडोमिल 2.5 ग्राम / लीटर पानी का छिड़काव करें।
मूली और शलजम	पौध संरक्षण	• मटर में पाउडरी फफूंद के नियंत्रण के लिए सेल्फेक्स @25 ग्राम प्रति 10 लीटर पानी या कैराथेन @5 मिली प्रति 10 लीटर पानी का छिड़काव करें। • मूली, शलजम, गाजर पालक की उन्नत प्रजातियों जैसी सब्जियों को खरपतवार मुक्त रखें।
कोल फसलें (फूलगोभी,	पौध संरक्षण	• फूलगोभी के खेतों को खरपतवार मुक्त रखें। ब्रोकोली, पछेती फूलगोभी और पत्तागोभी को खरपतवार मुक्त रखें।

पत्तागोभी), मूली, शलजम और मटर		• क्रूसिफेरस सब्जियों में डाउनी फफूंद की आशंका है, नियंत्रण के लिए आसमान साफ रहने पर 15 दिनों के अंतराल पर रिडोमिल एम-जेड @ 25 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। • कोल फसल में पत्ती फीडर के लिए स्पाइनोसैड @ 1 मिली / 3 लीटर पानी का छिड़काव करें जब आसमान साफ रहे।
आलू	वनस्पति एवं फलन	• किसानों को सलाह दी जाती है कि यदि आलू की फसल 15-22 सेमी की ऊंचाई पर पहुंच गई है, तो मिट्टी चढ़ाना शुरू कर दें। यदि आवश्यक हो, तो अनुकूल मौसम की स्थिति के दौरान 15 दिनों के बाद इस अभ्यास को दोहराया जा सकता है। • आलू में ब्लाइट के संक्रमण की घटनाओं की निरंतर निगरानी की सलाह दी जाती है। यदि लक्षण दिखाई देते हैं, तो कार्बेन्डाजिम @ 1.0 ग्राम / लीटर पानी या डाइथेन-एम-45 @ 2.0 ग्राम / लीटर पानी का छिड़काव करने की सलाह दी जाती है।
पालीहोउस खेती		• पॉलीहाउस में फसल में पाउडरी मिल्ड्यू, एफिड्स और स्पोडोप्टेरा के नियंत्रण के लिए अनुशंसित रसायनों का छिड़काव करें। पॉलीहाउस में पीला चिपचिपा जाल रखें और रोपाई के बाद इमिडाक्लोप्रिड से पौधे को भिगो दें। • पॉलीहाउस में मिर्च, टमाटर और बैंगन की फसलों के लिए नर्सरी तैयार करें। पॉलीहाउस में छोटे पॉलीथिन बैग में अगेती कद्दूवर्गीय फसलों की पौध तैयार करें। • अगले महीने हरा धनिया, मूली और शलजम की बुवाई की तैयारी करें। अगेती कद्दूवर्गीय फसलों की पौध तैयार करने के लिए पॉलीहाउस में छोटे पॉलीथिन बैग में पौध तैयार करें।
मशरूम	बुवाई	• अच्छी फसल के लिए सफेद बटन मशरूम के लिए कम्पोस्ट बैग में स्पॉन भरने की सलाह दी जाती है, कमरे का तापमान 17-18 डिग्री सेल्सियस और सापेक्ष आर्द्रता 80-85% होनी चाहिए। नमी बनाए रखने के लिए पानी का छिड़काव करें, लेकिन मशरूम पर पानी जमा होने से रोकने के लिए पंखों द्वारा हवा का संचार सुनिश्चित करें। फल लगने के समय कमरे का तापमान 18-22 डिग्री सेल्सियस बनाए रखें।
फलउत्पादन		• आम के तने के चारों ओर प्लास्टिक की चादरें लपेटी जानी चाहिए ताकि युवा मीली बग को चढ़ने से रोका जा सके। पॉलीथीन शीट में किसी भी दरार को सील करने के लिए ग्रीस लगाएं। • पौधों के बेसिन को खरपतवारों से मुक्त रखें • ठंड आदि से बचाने के लिए नई लगाई गई बागवानी फसलों की छप्पर बिछाएं • पौधों के पोषक तत्व प्रबंधन जैसे नाइट्रोजन उर्वरकों और अन्य पोषक तत्वों का छिड़काव फलों के पौधों को पाले से होने वाले नुकसान से बचा सकता है।
पुष्प	फूल आने की अवस्था	• भण्डारण में बल्ब, कंद आदि का निरीक्षण करें और यदि कोई रोगग्रस्त या सड़ा हुआ हो तो उसे हटा दें। • घर के पौधों से सभी मृत, रोगग्रस्त और क्षतिग्रस्त पत्तियों को हटा दें।
मधुमक्खीपालन		• तापमान गिर गया है और आगे भी गिरने की उम्मीद है, इसलिए

		कॉलोनियों को तुरंत विंटर पैकिंग दें। कॉलोनियों में पराग की जांच करें और मधुमक्खियों को कृत्रिम भोजन दें क्योंकि इन दिनों फूलों की कमी होती है।
पशुपालन मवेशी भेड़बकरी इत्यादी	देखभाल	• नवजात बछड़ों को कड़ाके की सर्दी से बचने के लिए विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है, क्योंकि वे निमोनिया के प्रति संवेदनशील होते हैं। इसलिए उन्हें सूखा बिस्तर और ठंडी हवाओं से सुरक्षा प्रदान करके गर्म रखें। उन्हें विटामिन दें। पशुओं को सूखा चारा खिलाते समय, प्रत्येक दूध देने वाली गाय या भैंस को 40 ग्राम खनिज मिश्रण (आईएसआई मार्क) दें। • गर्भवती और दूध देने वाली गायों और भैंसों को खनिज मिश्रण सहित संतुलित चारा खिलाएं। दुधारू पशुओं के लिए 2 लीटर दूध में 1 किलो चारा+50 ग्राम खनिज मिश्रण का शेड्यूल अपनाएं। यह शेड्यूल पशु की प्रजनन क्षमता को बनाए रखेगा। डेयरी पशुओं में खनिज तत्वों की कमी होती है, जो पशुओं में बार-बार प्रजनन और अन्य स्त्री रोग संबंधी बीमारियों का एकमात्र कारण है। इसलिए पशुओं को प्रतिदिन 50 ग्राम खनिज मिश्रण देना सुनिश्चित करें। • पशुओं में टिक्स और माइट्स के नियंत्रण के लिए पशुओं के शरीर/त्वचा पर 2 मिली प्रति लीटर ब्यूटॉक्स और गौशालाओं में 1-3 मिली/लीटर पानी का छिड़काव करें। साथ ही गौशाला को साफ रखें और गौशाला में पानी जमा न होने दें। स्तनदाह से बचने के लिए उन्नत गर्भावस्था वाली गायों में स्वच्छता सुनिश्चित करें। • इस ठंड के मौसम में, दूध दुहने के बाद मक्खन या क्रीम + जिंक ऑक्साइड लगाएँ।
मुर्गीपालन	देखभाल	• आगामी सप्ताह में कम तापमान को देखते हुए, पोल्ट्री में उन्हें ठंडी हवाओं से बचाने के लिए पर्दे लगाएं ताकि शेड का तापमान *160* डिग्री सेल्सियस से नीचे न जाए। चूजों को कृत्रिम गर्मी प्रदान करें। शेड में *15-16* घंटे रोशनी प्रदान करें। राशन की ऊर्जा सामग्री को *5-8* प्रतिशत तक बढ़ाएँ। • पोल्ट्री घरों में ताजा कूड़े का इस्तेमाल करें ताकि वे गीले न हों और घरों को साफ रखें तथा पक्षियों को पीने के लिए साफ पानी उपलब्ध करवाएँ। पक्षियों को ठंड से बचाएं तथा भोजन में *10%* की वृद्धि करें। • डायरिया और कोक्सीडियोसिस का हमला होने की आशंका है, इसलिए नजदीकी पशु चिकित्सक से परामर्श लें।
मछलीपालन	पालन-पोषण	• मछलियों का विपणन जारी रखें। बचे हुए स्टॉक को खिलाने की मात्रा को घटाकर 100 मछलियों के लिए प्रतिदिन 500 ग्राम तक सीमित रखें।

हमीरपुर
सामान्य सलाह: • भारी वर्षा के दौरान सिंचाई से बचें। • स्थानीय भाषा में कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए मेघदूत ऐप का उपयोग करें। फसल आधारित कृषि सलाह का नियमित रूप से पालन करें।

एसएमएस सलाह: • पीले रतुआ की निगरानी करें। यदि लक्षण दिखाई दें, तो टिल्ट (प्रोपिकोनाज़ोल) 25EC @30ml/30L पानी प्रति कनाल का छिड़काव करें, 15 दिनों के बाद दोहराएं।		
मुख्य फसलें	**अवस्था**	**कृषि सलाह**
गेहूँ	देखभाल/रखरखाव	• खेत की सफाई बनाए रखें। • जिन क्षेत्रों में गेहूं की फसल में पीले रतुआ के लक्षण पत्तियों पर पीले पाउडर/धारियों के रूप में दिखाई देते हैं या अतिसंवेदनशील किस्में हैं, वहां किसानों को सलाह दी जाती है कि वे लक्षण दिखाई देने पर फफूंदनाशकों का छिड़काव करें। ये हैं टिल्ट (प्रोपिकोनाज़ोल) 25 ईसी/फोलिक्योर (टेबुकोनाज़ोल) 25 ईसी/बेलेटन 25 डब्ल्यूपी @ 0.1% यानी 30 मिली या 30 ग्राम प्रति 30 लीटर पानी प्रति कनाल और 15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराएं।
सरसों	देखभाल/रखरखाव	• सरसों की फसल पर पेंटेड बग और एफिड के हमले की निगरानी करने की सलाह दी जाती है। यदि कीटों की संख्या ETL से अधिक है तो अनुशंसित रसायनों का छिड़काव किया जा सकता है। • सरसों की फसल पर सफेद रतुआ के हमले की निगरानी करें।
दालें	पौध संरक्षण	• चने की फसल में फली छेदक के लिए, यदि फूल 10-15% तक पहुँच चुके हैं, तो प्रति एकड़ 3-4 ट्रैप फेरोमोन ट्रैप लगाने की सलाह दी जाती है। कीटों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए फसल के खेत में और उसके आस-पास "T" आकार के पक्षी बसेरा लगाए जाने चाहिए।
प्याज लहसुन	पौध संरक्षण	• प्याज की फसल में थ्रिप्स के हमले से बचाव के लिए। यदि मौसम अनुकूल हो तो सभी फसलों और सब्जियों में सफेद मक्खियों और अन्य चूसने वाले कीटों के खिलाफ इमिडाक्लोप्रिड 17.8% एससी @ 1.0 मिली / 3 लीटर पानी का छिड़काव करें, जब आसमान साफ हो। • प्याज और लहसुन की फसल में बैंगनी धब्बा स्टेमफिलियम लीफ ब्लाइट के प्रबंधन के लिए, मैनोकोजेब या रिडोमिल 2.5 ग्राम / लीटर पानी का छिड़काव करें।
मूली और शलजम	पौध संरक्षण	• मटर में पाउडरी फफूंद के नियंत्रण के लिए सेल्फेक्स @25 ग्राम प्रति 10 लीटर पानी या कैराथेन @5 मिली प्रति 10 लीटर पानी का छिड़काव करें। • मूली, शलजम, गाजर पालक की उन्नत प्रजातियों जैसी सब्जियों को खरपतवार मुक्त रखें।
कोल फसलें (फूलगोभी, पत्तागोभी), मूली, शलजम और मटर	पौध संरक्षण	• फूलगोभी के खेतों को खरपतवार मुक्त रखें। ब्रोकोली, पछेती फूलगोभी और पत्तागोभी को खरपतवार मुक्त रखें। • क्रूसिफेरस सब्जियों में डाउनी फफूंद की आशंका है, नियंत्रण के लिए आसमान साफ रहने पर 15 दिनों के अंतराल पर रिडोमिल एम-जेड @ 25 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। • कोल फसल में पत्ती फीडर के लिए स्पाइनोसैड @ 1 मिली / 3 लीटर

		पानी का छिड़काव करें जब आसमान साफ रहे।
आलू	वनस्पति एवं फलन	• किसानों को सलाह दी जाती है कि यदि आलू की फसल 15-22 सेमी की ऊंचाई पर पहुंच गई है, तो मिट्टी चढ़ाना शुरू कर दें। यदि आवश्यक हो, तो अनुकूल मौसम की स्थिति के दौरान 15 दिनों के बाद इस अभ्यास को दोहराया जा सकता है। • आलू में ब्लाइट के संक्रमण की घटनाओं की निरंतर निगरानी की सलाह दी जाती है। यदि लक्षण दिखाई देते हैं, तो कार्बेन्डाजिम @ 1.0 ग्राम / लीटर पानी या डाइथेन-एम-45 @ 2.0 ग्राम / लीटर पानी का छिड़काव करने की सलाह दी जाती है।
पालीहोउस खेती		• पॉलीहाउस में फसल में पाउडरी मिल्ड्यू, एफिड्स और स्पोडोप्टेरा के नियंत्रण के लिए अनुशंसित रसायनों का छिड़काव करें। पॉलीहाउस में पीला चिपचिपा जाल रखें और रोपाई के बाद इमिडाक्लोप्रिड से पौधे को भिगो दें। • पॉलीहाउस में मिर्च, टमाटर और बैंगन की फसलों के लिए नर्सरी तैयार करें। पॉलीहाउस में छोटे पॉलीथिन बैग में अगेती कद्दूवर्गीय फसलों की पौध तैयार करें। • अगले महीने हरा धनिया, मूली और शलजम की बुवाई की तैयारी करें। अगेती कद्दूवर्गीय फसलों की पौध तैयार करने के लिए पॉलीहाउस में छोटे पॉलीथिन बैग में पौध तैयार करें।
मशरूम	बुवाई	• अच्छी फसल के लिए सफेद बटन मशरूम के लिए कम्पोस्ट बैग में स्पॉन भरने की सलाह दी जाती है, कमरे का तापमान 17-18 डिग्री सेल्सियस और सापेक्ष आर्द्रता 80-85% होनी चाहिए। नमी बनाए रखने के लिए पानी का छिड़काव करें, लेकिन मशरूम पर पानी जमा होने से रोकने के लिए पंखों द्वारा हवा का संचार सुनिश्चित करें। फल लगने के समय कमरे का तापमान 18-22 डिग्री सेल्सियस बनाए रखें।
फलउत्पादन		• आम के तने के चारों ओर प्लास्टिक की चादरें लपेटी जानी चाहिए ताकि युवा मीली बग को चढ़ने से रोका जा सके। पॉलीथीन शीट में किसी भी दरार को सील करने के लिए ग्रीस लगाएं। • पौधों के बेसिन को खरपतवारों से मुक्त रखें • ठंड आदि से बचाने के लिए नई लगाई गई बागवानी फसलों की छप्पर बिछाएं • पौधों के पोषक तत्व प्रबंधन जैसे नाइट्रोजन उर्वरकों और अन्य पोषक तत्वों का छिड़काव फलों के पौधों को पाले से होने वाले नुकसान से बचा सकता है।
पुष्प	फूल आने की अवस्था	• भण्डारण में बल्ब, कंद आदि का निरीक्षण करें और यदि कोई रोगग्रस्त या सड़ा हुआ हो तो उसे हटा दें। • घर के पौधों से सभी मृत, रोगग्रस्त और क्षतिग्रस्त पत्तियों को हटा दें।
मधुमक्खीपालन		• तापमान गिर गया है और आगे भी गिरने की उम्मीद है, इसलिए कॉलोनियों को तुरंत विंटर पैकिंग दें। कॉलोनियों में पराग की जांच करें और मधुमक्खियों को कृत्रिम भोजन दें क्योंकि इन दिनों फूलों की कमी होती है।

पशुपालन मवेशी भेड़बकरी इत्यादी	देखभाल	• नवजात बछड़ों को कड़ाके की सर्दी से बचने के लिए विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है, क्योंकि वे निमोनिया के प्रति संवेदनशील होते हैं। इसलिए उन्हें सूखा बिस्तर और ठंडी हवाओं से सुरक्षा प्रदान करके गर्म रखें। उन्हें विटामिन दें। पशुओं को सूखा चारा खिलाते समय, प्रत्येक दूध देने वाली गाय या भैंस को 40 ग्राम खनिज मिश्रण (आईएसआई मार्क) दें। • गर्भवती और दूध देने वाली गायों और भैंसों को खनिज मिश्रण सहित संतुलित चारा खिलाएं। दुधारू पशुओं के लिए 2 लीटर दूध में 1 किलो चारा+50 ग्राम खनिज मिश्रण का शेड्यूल अपनाएं। यह शेड्यूल पशु की प्रजनन क्षमता को बनाए रखेगा। डेयरी पशुओं में खनिज तत्वों की कमी होती है, जो पशुओं में बार-बार प्रजनन और अन्य स्त्री रोग संबंधी बीमारियों का एकमात्र कारण है। इसलिए पशुओं को प्रतिदिन 50 ग्राम खनिज मिश्रण देना सुनिश्चित करें। • पशुओं में टिक्स और माइट्स के नियंत्रण के लिए पशुओं के शरीर/त्वचा पर 2 मिली प्रति लीटर ब्यूटॉक्स और गौशालाओं में 1-3 मिली/लीटर पानी का छिड़काव करें। साथ ही गौशाला को साफ रखें और गौशाला में पानी जमा न होने दें। स्तनदाह से बचने के लिए उन्नत गर्भावस्था वाली गायों में स्वच्छता सुनिश्चित करें। • इस ठंड के मौसम में, दूध दुहने के बाद मक्खन या क्रीम + जिंक ऑक्साइड लगाएँ।
मुर्गीपालन	देखभाल	• आगामी सप्ताह में कम तापमान को देखते हुए, पोल्ट्री में उन्हें ठंडी हवाओं से बचाने के लिए पर्दे लगाएं ताकि शेड का तापमान *160* डिग्री सेल्सियस से नीचे न जाए। चूजों को कृत्रिम गर्मी प्रदान करें। शेड में *15-16* घंटे रोशनी प्रदान करें। राशन की ऊर्जा सामग्री को *5-8* प्रतिशत तक बढ़ाएँ। • पोल्ट्री घरों में ताजा कूड़े का इस्तेमाल करें ताकि वे गीले न हों और घरों को साफ रखें तथा पक्षियों को पीने के लिए साफ पानी उपलब्ध करवाएँ। पक्षियों को ठंड से बचाएं तथा भोजन में *10%* की वृद्धि करें। • डायरिया और कोक्सीडियोसिस का हमला होने की आशंका है, इसलिए नजदीकी पशु चिकित्सक से परामर्श लें।
मछलीपालन	पालन-पोषण	• मछलियों का विपणन जारी रखें। बचे हुए स्टॉक को खिलाने की मात्रा को घटाकर 100 मछलियों के लिए प्रतिदिन 500 ग्राम तक सीमित रखें।

चम्बा
सामान्य सलाह: • भारी वर्षा के दौरान सिंचाई से बचें। • स्थानीय भाषा में कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए मेघदूत ऐप का उपयोग करें। फसल आधारित कृषि सलाह का नियमित रूप से पालन करें।
एसएमएस सलाह:

• पीले रतुआ की निगरानी करें। यदि लक्षण दिखाई दें, तो टिल्ट (प्रोपिकोनाज़ोल) 25EC @30ml/30L पानी प्रति कनाल का छिड़काव करें, 15 दिनों के बाद दोहराएं।		
मुख्य फसलें	**अवस्था**	**कृषि सलाह**
गेहूँ	देखभाल/रखरखाव	• खेत की सफाई बनाए रखें। • जिन क्षेत्रों में गेहूं की फसल में पीले रतुआ के लक्षण पत्तियों पर पीले पाउडर/धारियों के रूप में दिखाई देते हैं या अतिसंवेदनशील किस्में हैं, वहां किसानों को सलाह दी जाती है कि वे लक्षण दिखाई देने पर फफूंदनाशकों का छिड़काव करें। ये हैं टिल्ट (प्रोपिकोनाज़ोल) 25 ईसी/फोलिक्योर (टेबुकोनाज़ोल) 25 ईसी/बेलेटन 25 डब्ल्यूपी @ 0.1% यानी 30 मिली या 30 ग्राम प्रति 30 लीटर पानी प्रति कनाल और 15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराएं।
सरसों	देखभाल/रखरखाव	• सरसों की फसल पर पेंटेड बग और एफिड के हमले की निगरानी करने की सलाह दी जाती है। यदि कीटों की संख्या ETL से अधिक है तो अनुशंसित रसायनों का छिड़काव किया जा सकता है। • सरसों की फसल पर सफेद रतुआ के हमले की निगरानी करें।
दालें	पौध संरक्षण	• चने की फसल में फली छेदक के लिए, यदि फूल 10-15% तक पहुँच चुके हैं, तो प्रति एकड़ 3-4 ट्रैप फेरोमोन ट्रैप लगाने की सलाह दी जाती है। कीटों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए फसल के खेत में और उसके आस-पास "T" आकार के पक्षी बसेरा लगाए जाने चाहिए।
प्याज लहसुन	पौध संरक्षण	• प्याज की फसल में थ्रिप्स के हमले से बचाव के लिए। यदि मौसम अनुकूल हो तो सभी फसलों और सब्जियों में सफेद मक्खियों और अन्य चूसने वाले कीटों के खिलाफ इमिडाक्लोप्रिड 17.8% एससी @ 1.0 मिली / 3 लीटर पानी का छिड़काव करें, जब आसमान साफ हो। • प्याज और लहसुन की फसल में बैंगनी धब्बा स्टेमफिलियम लीफ ब्लाइट के प्रबंधन के लिए, मैनोकोजेब या रिडोमिल 2.5 ग्राम / लीटर पानी का छिड़काव करें।
मूली और शलजम	पौध संरक्षण	• मटर में पाउडरी फफूंद के नियंत्रण के लिए सेल्फेक्स @25 ग्राम प्रति 10 लीटर पानी या कैराथेन @5 मिली प्रति 10 लीटर पानी का छिड़काव करें। • मूली, शलजम, गाजर पालक की उन्नत प्रजातियों जैसी सब्जियों को खरपतवार मुक्त रखें।
कोल फसलें (फूलगोभी, पत्तागोभी), मूली, शलजम और मटर	पौध संरक्षण	• फूलगोभी के खेतों को खरपतवार मुक्त रखें। ब्रोकोली, पछेती फूलगोभी और पत्तागोभी को खरपतवार मुक्त रखें। • क्रूसिफेरस सब्जियों में डाउनी फफूंद की आशंका है, नियंत्रण के लिए आसमान साफ रहने पर 15 दिनों के अंतराल पर रिडोमिल एम-जेड @ 25 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। • कोल फसल में पत्ती फीडर के लिए स्पाइनोसैड @ 1 मिली / 3 लीटर पानी का छिड़काव करें जब आसमान साफ रहे।

आलू	वनस्पति एवं फलन	• किसानों को सलाह दी जाती है कि यदि आलू की फसल 15-22 सेमी की ऊंचाई पर पहुंच गई है, तो मिट्टी चढ़ाना शुरू कर दें। यदि आवश्यक हो, तो अनुकूल मौसम की स्थिति के दौरान 15 दिनों के बाद इस अभ्यास को दोहराया जा सकता है। • आलू में ब्लाइट के संक्रमण की घटनाओं की निरंतर निगरानी की सलाह दी जाती है। यदि लक्षण दिखाई देते हैं, तो कार्बेन्डाजिम @ 1.0 ग्राम / लीटर पानी या डाइथेन-एम-45 @ 2.0 ग्राम / लीटर पानी का छिड़काव करने की सलाह दी जाती है।
पालीहोउस खेती		• पॉलीहाउस में फसल में पाउडरी मिल्ड्यू, एफिड्स और स्पोडोप्टेरा के नियंत्रण के लिए अनुशंसित रसायनों का छिड़काव करें। पॉलीहाउस में पीला चिपचिपा जाल रखें और रोपाई के बाद इमिडाक्लोप्रिड से पौधे को भिगो दें। • पॉलीहाउस में मिर्च, टमाटर और बैंगन की फसलों के लिए नर्सरी तैयार करें। पॉलीहाउस में छोटे पॉलीथिन बैग में अगेती कद्दूवर्गीय फसलों की पौध तैयार करें। • अगले महीने हरा धनिया, मूली और शलजम की बुवाई की तैयारी करें। अगेती कद्दूवर्गीय फसलों की पौध तैयार करने के लिए पॉलीहाउस में छोटे पॉलीथिन बैग में पौध तैयार करें।
मशरूम	बुवाई	• अच्छी फसल के लिए सफेद बटन मशरूम के लिए कम्पोस्ट बैग में स्पॉन भरने की सलाह दी जाती है, कमरे का तापमान 17-18 डिग्री सेल्सियस और सापेक्ष आर्द्रता 80-85% होनी चाहिए। नमी बनाए रखने के लिए पानी का छिड़काव करें, लेकिन मशरूम पर पानी जमा होने से रोकने के लिए पंखों द्वारा हवा का संचार सुनिश्चित करें। फल लगने के समय कमरे का तापमान 18-22 डिग्री सेल्सियस बनाए रखें।
फलउत्पादन		• आम के तने के चारों ओर प्लास्टिक की चादरें लपेटी जानी चाहिए ताकि युवा मीली बग को चढ़ने से रोका जा सके। पॉलीथीन शीट में किसी भी दरार को सील करने के लिए ग्रीस लगाएं। • पौधों के बेसिन को खरपतवारों से मुक्त रखें • ठंड आदि से बचाने के लिए नई लगाई गई बागवानी फसलों की छप्पर बिछाएं • पौधों के पोषक तत्व प्रबंधन जैसे नाइट्रोजन उर्वरकों और अन्य पोषक तत्वों का छिड़काव फलों के पौधों को पाले से होने वाले नुकसान से बचा सकता है।
पुष्प	फूल आने की अवस्था	• भण्डारण में बल्ब, कंद आदि का निरीक्षण करें और यदि कोई रोगग्रस्त या सड़ा हुआ हो तो उसे हटा दें। •घर के पौधों से सभी मृत, रोगग्रस्त और क्षतिग्रस्त पत्तियों को हटा दें।
मधुमक्खीपालन		• तापमान गिर गया है और आगे भी गिरने की उम्मीद है, इसलिए कॉलोनियों को तुरंत विंटर पैकिंग दें। कॉलोनियों में पराग की जांच करें और मधुमक्खियों को कृत्रिम भोजन दें क्योंकि इन दिनों फूलों की कमी होती है।
चाय	छंटाई का प्रशिक्षण	• चाय के बागानों में प्रशिक्षण, झालर निकालना और सफाई का काम पूरा किया जा सकता है। चाय के बागानों में पेड़ों की कटाई करें ताकि

		उन्हें ज़्यादा धूप मिले। झालर से निकली सामग्री का इस्तेमाल खाद बनाने में किया जा सकता है ताकि इसे अगले मौसम में इस्तेमाल किया जा सके।
पशुपालन मवेशी भेड़बकरी इत्यादी	देखभाल	• नवजात बछड़ों को कड़ाके की सर्दी से बचने के लिए विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है, क्योंकि वे निमोनिया के प्रति संवेदनशील होते हैं। इसलिए उन्हें सूखा बिस्तर और ठंडी हवाओं से सुरक्षा प्रदान करके गर्म रखें। उन्हें विटामिन दें। पशुओं को सूखा चारा खिलाते समय, प्रत्येक दूध देने वाली गाय या भैंस को 40 ग्राम खनिज मिश्रण (आईएसआई मार्क) दें। • गर्भवती और दूध देने वाली गायों और भैंसों को खनिज मिश्रण सहित संतुलित चारा खिलाएं। दुधारू पशुओं के लिए 2 लीटर दूध में 1 किलो चारा+50 ग्राम खनिज मिश्रण का शेड्यूल अपनाएं। यह शेड्यूल पशु की प्रजनन क्षमता को बनाए रखेगा। डेयरी पशुओं में खनिज तत्वों की कमी होती है, जो पशुओं में बार-बार प्रजनन और अन्य स्त्री रोग संबंधी बीमारियों का एकमात्र कारण है। इसलिए पशुओं को प्रतिदिन 50 ग्राम खनिज मिश्रण देना सुनिश्चित करें। • पशुओं में टिक्स और माइट्स के नियंत्रण के लिए पशुओं के शरीर/त्वचा पर 2 मिली प्रति लीटर ब्यूटॉक्स और गौशालाओं में 1-3 मिली/लीटर पानी का छिड़काव करें। साथ ही गौशाला को साफ रखें और गौशाला में पानी जमा न होने दें। स्तनदाह से बचने के लिए उन्नत गर्भावस्था वाली गायों में स्वच्छता सुनिश्चित करें। • इस ठंड के मौसम में, दूध दुहने के बाद मक्खन या क्रीम + जिंक ऑक्साइड लगाएँ।
मुर्गीपालन	देखभाल	• आगामी सप्ताह में कम तापमान को देखते हुए, पोल्ट्री में उन्हें ठंडी हवाओं से बचाने के लिए पर्दे लगाएं ताकि शेड का तापमान *160* डिग्री सेल्सियस से नीचे न जाए। चूजों को कृत्रिम गर्मी प्रदान करें। शेड में *15-16* घंटे रोशनी प्रदान करें। राशन की ऊर्जा सामग्री को *5-8* प्रतिशत तक बढ़ाएँ। • पोल्ट्री घरों में ताजा कूड़े का इस्तेमाल करें ताकि वे गीले न हों और घरों को साफ रखें तथा पक्षियों को पीने के लिए साफ पानी उपलब्ध करवाएँ। पक्षियों को ठंड से बचाएं तथा भोजन में *10%* की वृद्धि करें। • डायरिया और कोक्सीडियोसिस का हमला होने की आशंका है, इसलिए नजदीकी पशु चिकित्सक से परामर्श लें।
मछलीपालन	पालन-पोषण	• मछलियों का विपणन जारी रखें। बचे हुए स्टॉक को खिलाने की मात्रा को घटाकर 100 मछलियों के लिए प्रतिदिन 500 ग्राम तक सीमित रखें।

कुल्लू

• भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त एनडीवीआई मानचित्र से पता चलता है कि जिले के अलग-अलग स्थानों पर कृषि की स्थिति अच्छी है। • बागवानी फसलों को शीत लहरों और कम तापमान से बचाने के लिए पॉलीशीट या घास का उपयोग करें। • बुजुर्गों, बच्चों, खुद को और जानवरों को इस ठंड से बचाएं। • किसानों को सलाह दी जाती है कि वे स्थानीय भाषा में कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए अपने मोबाइल प्ले स्टोर से मेघदूत ऐप डाउनलोड करें। ऐप डाउनलोड करने के लिए निम्न लिंक पर क्लिक करें: • एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं के लिए: https://play.google.com/store/apps/details?id=com.aas.meghdoot&hl=en_IN&gl=US • आईओएस उपयोगकर्ताओं के लिए: https://apps.apple.com/in/app/meghdoot/id1474048155

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को अपनी फसलों पर कीट और रोग के हमले पर नजर रखनी चाहिए, जो कि वर्तमान मौसम की स्थिति में अपेक्षित है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
रेपसीड	• पीले रतुआ या कीटों जैसे रोगों के लक्षणों के लिए गेहूं के खेतों का नियमित निरीक्षण करें। • यदि रोग या कीट पाए जाते हैं, तो कृषि विशेषज्ञों की सिफारिशों के आधार पर उचित नियंत्रण उपाय करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सेब	• मौसम की स्थिति बीमारियों और कीटों के प्रसार को प्रभावित कर सकती है। किसानों को अपने बागों की निगरानी करने और उचित उपाय करने में सतर्क रहना चाहिए। • पूर्ण विकसित पेड़ (दस वर्ष से ऊपर) में उर्वरक डालें एमओपी (म्यूराइट ऑफ पोटाश): 1 किग्रा/पेड़; एसएसपी (सिंगल सुपर फॉस्फेट): 1 किग्रा 800 ग्राम/पेड़। • पौधों के तौलिए बनाने का काम जारी रखें और पौधों की उम्र के हिसाब से गोबर की खाद और उर्वरक का इस्तेमाल करें। • सैनजोस स्केल और माइट के हमले को नियंत्रित करने के लिए 200 लीटर पानी में 4 लीटर बागवानी खनिज तेल (टीएसओ) का छिड़काव करें। • किसानों को सलाह दी जाती है कि वे फफूंद संक्रमण से बचने और घावों को ठीक करने के लिए छंटाई पूरी करें और टूटी या काटी गई शाखाओं के कटे हुए सिरों पर बोर्डो पेस्ट लगाएं। • छंटाई के मलबे को भी हटा दिया जाना चाहिए और बाग से दूर जला दिया जाना चाहिए या खाद बनानी चाहिए।
अनार	• मौसम की स्थिति बीमारियों और कीटों के प्रसार को प्रभावित कर सकती है। किसानों को अपने बागों की निगरानी करने और उचित उपाय करने में सतर्क रहना चाहिए। • बेसिन तैयार करते समय 20 किलोग्राम एफवाईएम, 1.5 किलोग्राम एसएसपी और 1 किलोग्राम एमओपी डालें। • कटे हुए सिरों पर फफूंद संक्रमण को रोकने के लिए छंटाई के तुरंत बाद बोर्डो मिश्रण (2 किलोग्राम सफेद वाश + 2 किलोग्राम कॉपर कार्बोनेट 200 लीटर पानी में) का छिड़काव करें।
बेर	• किसानों को गुठलीदार फलों (बेर, आड़ू और खुबानी) के पौधों में ग्राफ्टिंग करने की सलाह दी जाती है। • गुठलीदार फलों के पौधों के पूर्ण रूप से खिलने पर किसी भी कीटनाशक और कवकनाशी का छिड़काव न करें।

बेर	• किसानों को गुठलीदार फलों (बेर, आड़ू और खुबानी) के पौधों में ग्राफ्टिंग करने की सलाह दी जाती है। • गुठलीदार फलों के पौधों के पूर्ण रूप से खिलने पर किसी भी कीटनाशक और कवकनाशी का छिड़काव न करें।
टमाटर	• किसानों को खेत तैयार कर टमाटर की नर्सरी बोने की सलाह दी जाती है। बीज दर: 35-40 ग्राम/बीघा अंतर: 90 x 30 सेमी
शिमला मिर्च	• जहां नर्सरी 7 से 10 दिन पुरानी हो, वहां शिमला मिर्च या टमाटर में डैम्पिंग ऑफ रोग को नियंत्रित करने के लिए डाइथेन एम45 (2.5 ग्राम) + बाविस्टीन (1 ग्राम) प्रति लीटर का छिड़काव करें। • मृत पौधे को मिट्टी के साथ हटा देना चाहिए।
आलू	• किसानों को सलाह दी जाती है कि यदि आलू की फसल 15-22 सेमी की ऊंचाई तक पहुंच गई है, तो वे आलू में मिट्टी चढ़ाना शुरू कर दें। यदि आवश्यक हो, तो अनुकूल मौसम की स्थिति के दौरान 15 दिनों के बाद इस अभ्यास को दोहराया जा सकता है। • आलू में झुलसा रोग के संक्रमण की लगातार निगरानी की सलाह दी जाती है। यदि लक्षण दिखाई देते हैं, तो कार्बेन्डाजिम @ 1.0 ग्राम / लीटर पानी या डाइथेन-एम-45 @ 2.0 ग्राम / लीटर पानी का छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। • जबकि आलू को पर्याप्त नमी की आवश्यकता होती है, अत्यधिक वर्षा से जलभराव हो सकता है और फंगल रोगों का खतरा बढ़ सकता है। • इसके विपरीत, अपर्याप्त वर्षा के लिए सिंचाई की आवश्यकता होगी। • उच्च आर्द्रता पछेती झुलसा जैसी बीमारियों के विकास को बढ़ावा दे सकती है।
मटर	• किसानों को मटर की अच्छी पैदावार के लिए निराई-गुड़ाई और बाँधने की सलाह दी जाती है। • मटर में पाउडरी फफूंद के नियंत्रण के लिए, 10 लीटर पानी में 5 मिली लीटर कैराथेन का छिड़काव करें। यदि

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
	आवश्यक हो, तो 10-15 दिनों के बाद इस प्रक्रिया को दोहराया जा सकता है। • मटर में फली छेदक कीट के लिए, प्रति एकड़ 3-4 ट्रैप फेरोमोन ट्रैप लगाने की सलाह दी जाती है।
लहसुन	• लहसुन में डाउनी फफूंद के नियंत्रण के लिए 2.0 ग्राम/लीटर पानी की दर से मैन्कोजेब का छिड़काव करें। • फसल की लगातार निगरानी करनी चाहिए ताकि स्टेमफिलियम के हमले को रोका जा सके जो पत्तियों के सिरे को पीला कर देता है और उन्हें मुरझा देता है, जो बारिश के बाद मिट्टी में अधिक नमी के कारण होने की संभावना है। रोग के हमले की स्थिति में डाइथेन एम45 का 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। • लहसुन में अच्छी उपज के लिए निराई-गुड़ाई करें।
प्याज	• अच्छी उपज के लिए प्याज की फसल में निराई-गुड़ाई करें। • प्याज की फसल को बहुत सावधानी से और लगातार सिंचाई की आवश्यकता होती है क्योंकि यह एक उथली जड़ वाली फसल है। शुरुआती विकास अवधि में फसल को पानी की आवश्यकता कम होती है और बाद के विकास चरणों के दौरान बढ़ जाती है। ठंडे मौसम में 10-15 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करनी चाहिए। • स्टेमफिलियम के हमले को रोकने के लिए फसल की लगातार निगरानी करनी चाहिए क्योंकि यह पत्तियों के सिरे को पीला कर देता है और उन्हें मरने पर मजबूर कर देता है। रोग के हमले की स्थिति में डाइथेन एम45 @ 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें।

मधुमक्खी पालन विशिष्ट सलाहः

मधुमक्खी पालन	मधुमक्खी पालन विशिष्ट सलाह
	• मोम पतंगों से बचाव के लिए कॉलोनियों में उचित दूरी और साफ-सफाई का पालन करें। • यदि प्राकृतिक अमृत और पराग स्रोत सीमित हैं, तो पूरक आहार प्रदान करें, जैसे कि चीनी सिरप या पराग विकल्प। • ठंडे तापमान से बचाव के लिए कॉलोनियों को ब्लोटिंग शीट से पैक करें। • मधुमक्खी पालन केंद्रों के आस-पास के शुरुआती मौसम में फूलने वाले पौधों की पहचान करें और उन्हें बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। • आबादी बढ़ने पर रानी के लिए अंडे देने के लिए खाली फ्रेम/कंघी डालें। • मधुमक्खियों पर माइट के हमले को नियंत्रित करने के लिए कॉलोनी में सीलबंद ब्रूड पर सल्फर छिड़कें और लार्वा पर नहीं। • वास्प का जाल लगाकर या मैन्युअल रूप से फड़फड़ाकर मधुमक्खी कॉलोनियों को वास्प से बचाएं।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

• किसानों को युवा पौधों को प्लास्टिक से ढककर और सिंचाई के लिए छिड़काव/सिंचाई का उपयोग करके पाले से बचाव के उपाय लागू करने चाहिए। • यदि पाला पड़ने का पूर्वानुमान है तो किसानों को पौधों की रोपाई में देरी करनी पड़ सकती है। • उन्हें तेज़ हवाओं के दौरान कीटनाशकों या उर्वरकों का छिड़काव करने से बचना चाहिए। • आईएमडी जैसे विश्वसनीय स्रोतों से मौसम के पूर्वानुमान की नियमित जाँच करें। • विशिष्ट सिफारिशों के लिए कृषि विस्तार अधिकारियों और क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान स्टेशनों (आरएचआरएस) और कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) से परामर्श करें।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

• युवा पेड़ों और पौधों को टूटने से बचाने के लिए उन्हें सहारा दें। तेज़ हवाओं के दौरान कीटनाशकों या उर्वरकों का छिड़काव करने से बचें। मिट्टी को नम रखने के लिए अपने खेतों की सिंचाई करें। • अचानक तापमान में बदलाव आपके पौधों पर तनाव डालेगा, जिससे वे बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाएँगे। इससे परागण भी बाधित हो सकता है, जिससे फलों का खराब सेट हो सकता है।

मंडी

• भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त एनडीवीआई मानचित्र से पता चलता है कि जिले के अलग-अलग स्थानों पर कृषि की स्थिति अच्छी है। • बागवानी फसलों को शीत लहरों और कम तापमान से बचाने के लिए पॉलीशीट या घास का उपयोग करें। • बुजुर्गों, बच्चों, खुद को और जानवरों को इस ठंड से बचाएं। • किसानों को सलाह दी जाती है कि वे स्थानीय भाषा में कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए अपने मोबाइल प्ले स्टोर से मेघदूत ऐप डाउनलोड करें। ऐप डाउनलोड करने के लिए निम्न लिंक पर क्लिक करें: • एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं के लिए: https://play.google.com/store/apps/details?id=com.aas.meghdoot&hl=en_IN&gl=US • आईओएस उपयोगकर्ताओं के लिए: https://apps.apple.com/in/app/meghdoot/id1474048155

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को अपनी फसलों पर कीट और रोग के हमले पर नजर रखनी चाहिए, जो कि वर्तमान मौसम की स्थिति में अपेक्षित है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
रेपसीड	• पीले रतुआ या कीटों जैसे रोगों के लक्षणों के लिए गेहूं के खेतों का नियमित निरीक्षण करें। • यदि रोग या कीट पाए जाते हैं, तो कृषि विशेषज्ञों की सिफारिशों के आधार पर उचित नियंत्रण उपाय करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सेब	• मौसम की स्थिति बीमारियों और कीटों के प्रसार को प्रभावित कर सकती है। किसानों को अपने बागों की निगरानी करने और उचित उपाय करने में सतर्क रहना चाहिए। • पूर्ण विकसित पेड़ (दस वर्ष से ऊपर) में उर्वरक डालें एमओपी (म्यूराइट ऑफ पोटाश): 1 किग्रा/पेड़; एसएसपी (सिंगल सुपर फॉस्फेट): 1 किग्रा 800 ग्राम/पेड़। • पौधों के तौलिए बनाने का काम जारी रखें और पौधों की उम्र के हिसाब से गोबर की खाद और उर्वरक का इस्तेमाल करें। • सैनजोस स्केल और माइट के हमले को नियंत्रित करने के लिए 200 लीटर पानी में 4 लीटर बागवानी खनिज तेल (टीएसओ) का छिड़काव करें। • किसानों को सलाह दी जाती है कि वे फफूंद संक्रमण से बचने और घावों को ठीक करने के लिए छंटाई पूरी करें और टूटी या काटी गई शाखाओं के कटे हुए सिरों पर बोर्डो पेस्ट लगाएं। • छंटाई के मलबे को भी हटा दिया जाना चाहिए और बाग से दूर जला दिया जाना चाहिए या खाद बनानी चाहिए।
अनार	• मौसम की स्थिति बीमारियों और कीटों के प्रसार को प्रभावित कर सकती है। किसानों को अपने बागों की निगरानी करने और उचित उपाय करने में सतर्क रहना चाहिए। • बेसिन तैयार करते समय 20 किलोग्राम एफवाईएम, 1.5 किलोग्राम एसएसपी और 1 किलोग्राम एमओपी डालें। • कटे हुए सिरों पर फफूंद संक्रमण को रोकने के लिए छंटाई के तुरंत बाद बोर्डो मिश्रण (2 किलोग्राम सफेद वाश + 2 किलोग्राम कॉपर कार्बोनेट 200 लीटर पानी में) का छिड़काव करें।

बेर	• किसानों को गुठलीदार फलों (बेर, आड़ू और खुबानी) के पौधों में ग्राफ्टिंग करने की सलाह दी जाती है। • गुठलीदार फलों के पौधों के पूर्ण रूप से खिलने पर किसी भी कीटनाशक और कवकनाशी का छिड़काव न करें।
टमाटर	• किसानों को खेत तैयार कर टमाटर की नर्सरी बोने की सलाह दी जाती है। बीज दर: 35-40 ग्राम/बीघा अंतर: 90 x 30 सेमी
शिमला मिर्च	• जहां नर्सरी 7 से 10 दिन पुरानी हो, वहां शिमला मिर्च या टमाटर में डैम्पिंग ऑफ रोग को नियंत्रित करने के लिए डाइथेन एम45 (2.5 ग्राम) + बाविस्टीन (1 ग्राम) प्रति लीटर का छिड़काव करें। • मृत पौधे को मिट्टी के साथ हटा देना चाहिए।
आलू	• किसानों को सलाह दी जाती है कि यदि आलू की फसल 15-22 सेमी की ऊंचाई तक पहुंच गई है, तो वे आलू में मिट्टी चढ़ाना शुरू कर दें। यदि आवश्यक हो, तो अनुकूल मौसम की स्थिति के दौरान 15 दिनों के बाद इस अभ्यास को दोहराया जा सकता है। • आलू में झुलसा रोग के संक्रमण की लगातार निगरानी की सलाह दी जाती है। यदि लक्षण दिखाई देते हैं, तो कार्बेन्डाजिम @ 1.0 ग्राम / लीटर पानी या डाइथेन-एम-45 @ 2.0 ग्राम / लीटर पानी का छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। • जबकि आलू को पर्याप्त नमी की आवश्यकता होती है, अत्यधिक वर्षा से जलभराव हो सकता है और फंगल रोगों का खतरा बढ़ सकता है। • इसके विपरीत, अपर्याप्त वर्षा के लिए सिंचाई की आवश्यकता होगी। • उच्च आर्द्रता पछेती झुलसा जैसी बीमारियों के विकास को बढ़ावा दे सकती है।
मटर	• किसानों को मटर की अच्छी पैदावार के लिए निराई-गुड़ाई और बाँधने की सलाह दी जाती है। • मटर में पाउडरी फफूंद के नियंत्रण के लिए, 10 लीटर पानी में 5 मिली लीटर कैराथेन का छिड़काव करें। यदि

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
	आवश्यक हो, तो 10-15 दिनों के बाद इस प्रक्रिया को दोहराया जा सकता है। • मटर में फली छेदक कीट के लिए, प्रति एकड़ 3-4 ट्रैप फेरोमोन ट्रैप लगाने की सलाह दी जाती है।
लहसुन	• लहसुन में डाउनी फफूंद के नियंत्रण के लिए 2.0 ग्राम/लीटर पानी की दर से मैन्कोजेब का छिड़काव करें। • फसल की लगातार निगरानी करनी चाहिए ताकि स्टेमफिलियम के हमले को रोका जा सके जो पत्तियों के सिरे को पीला कर देता है और उन्हें मुरझा देता है, जो बारिश के बाद मिट्टी में अधिक नमी के कारण होने की संभावना है। रोग के हमले की स्थिति में डाइथेन एम45 का 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। • लहसुन में अच्छी उपज के लिए निराई-गुड़ाई करें।
प्याज	• अच्छी उपज के लिए प्याज की फसल में निराई-गुड़ाई करें। • प्याज की फसल को बहुत सावधानी से और लगातार सिंचाई की आवश्यकता होती है क्योंकि यह एक उथली जड़ वाली फसल है। शुरुआती विकास अवधि में फसल को पानी की आवश्यकता कम होती है और बाद के विकास चरणों के दौरान बढ़ जाती है। ठंडे मौसम में 10-15 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करनी चाहिए। • स्टेमफिलियम के हमले को रोकने के लिए फसल की लगातार निगरानी करनी चाहिए क्योंकि यह पत्तियों के सिरे को पीला कर देता है और उन्हें मरने पर मजबूर कर देता है। रोग के हमले की स्थिति में डाइथेन एम45 @ 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें।

मधुमक्खी पालन विशिष्ट सलाह:

मधुमक्खी पालन	मधुमक्खी पालन विशिष्ट सलाह
	• मोम पतंगों से बचाव के लिए कॉलोनियों में उचित दूरी और साफ-सफाई का पालन करें। • यदि प्राकृतिक अमृत और पराग स्रोत सीमित हैं, तो पूरक आहार प्रदान करें, जैसे कि चीनी सिरप या पराग विकल्प। • ठंडे तापमान से बचाव के लिए कॉलोनियों को ब्लोटिंग शीट से पैक करें। • मधुमक्खी पालन केंद्रों के आस-पास के शुरुआती मौसम में फूलने वाले पौधों की पहचान करें और उन्हें बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। • आबादी बढ़ने पर रानी के लिए अंडे देने के लिए खाली फ्रेम/कंघी डालें। • मधुमक्खियों पर माइट के हमले को नियंत्रित करने के लिए कॉलोनी में सीलबंद ब्रूड पर सल्फर छिड़कें और लार्वा पर नहीं। • वास्प का जाल लगाकर या मैन्युअल रूप से फड़फड़ाकर मधुमक्खी कॉलोनियों को वास्प से बचाएं।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

• किसानों को युवा पौधों को प्लास्टिक से ढककर और सिंचाई के लिए छिड़काव/सिंचाई का उपयोग करके पाले से बचाव के उपाय लागू करने चाहिए। • यदि पाला पड़ने का पूर्वानुमान है तो किसानों को पौधों की रोपाई में देरी करनी पड़ सकती है। • उन्हें तेज़ हवाओं के दौरान कीटनाशकों या उर्वरकों का छिड़काव करने से बचना चाहिए। • आईएमडी जैसे विश्वसनीय स्रोतों से मौसम के पूर्वानुमान की नियमित जाँच करें। • विशिष्ट सिफारिशों के लिए कृषि विस्तार अधिकारियों और क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान स्टेशनों (आरएचआरएस) और कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) से परामर्श करें।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

• युवा पेड़ों और पौधों को टूटने से बचाने के लिए उन्हें सहारा दें। तेज़ हवाओं के दौरान कीटनाशकों या उर्वरकों का छिड़काव करने से बचें। मिट्टी को नम रखने के लिए अपने खेतों की सिंचाई करें। • अचानक तापमान में बदलाव आपके पौधों पर तनाव डालेगा, जिससे वे बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाएँगे। इससे परागण भी बाधित हो सकता है, जिससे फलों का खराब सेट हो सकता है।

सोलन

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

जिले के लिए अगले 5 दिनों के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

सामान्य सलाहकार:

फसलों में मल्चिंग के माध्यम से मिट्टी की नमी को बचाएं। फसल आधारित कृषि सलाह का नियमित रूप से पालन करें। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खेत में कीटों के हमले के खिलाफ सब्जी की फसलों की नियमित निगरानी करें। बहाव, दूषितकरण और अप्रभावी अनुप्रयोग को रोकने के लिए उच्च वायु गति के दौरान छिड़काव को स्थगित करें।

लघु संदेश सलाहकार:

स्थानीय भाषा में कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए मेघदूत ऐप का उपयोग करें।

लघु संदेश सलाहकार:

स्थानीय भाषा में कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए मेघदूत ऐप का उपयोग करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
खुबानी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे फलों की फसलों की सुरक्षा के लिए अपने बगीचों को ओलावृष्टि से बचाने वाले जाल से ढकें। परागण में सुधार के लिए बगीचों में मधुमक्खी कालोनियाँ (4 कालोनियाँ/ हेक्टेयर) रखें और फसल के फूल आने के चरण के दौरान छिड़काव से बचें।
सेब	यदि किसानों ने जिले के निचले पहाड़ी क्षेत्रों में सेब की किस्म (अन्ना) उगाई है, और यदि 20-30% फूल आए हैं, तो किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने बगीचों को ओलावृष्टि जाल से ढक दें और परागण में सुधार के लिए बगीचों में मधुमक्खी कालोनियों को रखें। नियमित रूप से सैनजोस स्केल और माइट्स के खिलाफ फसल की निगरानी करें, यदि देखा जाए तो तंग क्लस्टर चरण में बागवानी खनिज तेल @ 4Lt / 200Lt पानी का छिड़काव करें। नियमित रूप से थ्रिप्स के खिलाफ फसल की निगरानी करें, यदि देखा जाए तो गुलाबी कली चरण में थियाक्लोप्रिड @ 100 मिली / 200 लीटर पानी का छिड़काव करें।
आलू	किसानों को सलाह दी जाती है कि यदि आलू की फसल 15-22 सेमी की ऊंचाई तक पहुंच गई है तो वे मिट्टी चढ़ाना शुरू कर दें।
लहसुन	फसल पर बैंगनी धब्बा होने पर उसकी नियमित निगरानी करें तथा संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक की अनुशंसित मात्रा का छिड़काव करें, क्योंकि अगले दिनों में मौसम साफ और शुष्क रहेगा।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
पौध - संरक्षण	प्राकृतिक खेती करने वाले किसान साफ मौसम की स्थिति के दौरान अग्निअस्त्र, ब्रह्मास्त्र और नीमास्त्र तथा दशपर्णी अर्क का साप्ताहिक अंतराल पर 3.0 प्रतिशत तथा जीवामृत का नियमित अंतराल पर 10.0 प्रतिशत का छिड़काव करके कीटों के हमले को नियंत्रित कर सकते हैं।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

जिले में हवा की गति 8-10 किमी प्रति घंटे के बीच रहेगी।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

बहाव, दूषितकरण और अप्रभावी अनुप्रयोग को रोकने के लिए उच्च वायु गति के दौरान छिड़काव को स्थगित करें। सिंचाई सुबह जल्दी और देर शाम को करें।

मौसम विज्ञान केंद्र, शिमला

भारत मौसम विज्ञान विभाग

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय